## RAMAKRISHNA MISSION VIDYAMANDIRA

(Residential Autonomous College under University of Calcutta)

## B.A./B.SC. FIRST SEMESTER EXAMINATION, DECEMBER 2012

## FIRST YEAR SANSKRIT (Honours)

Time : 11.00 am – 3.00 pm Paper : I Full Marks : 100

Date : 14/12/2012

1.	Write a note on 'गण' or 'वृत्त' according to 'छन्दोमञ्जरी'।	[3]
2.	Define and illustrate <u>any two</u> of the following metres. शालिनी, प्रहर्षिणी, मालिनी	[3×2]
3.	Scan and name the metres in <u>any two</u> of the following :  क) मुखेन पूर्णेन्दुनिभस्त्रिलोचन:।  ख) रम्याणि वीक्ष्य मधुरांश्च निशम्य शब्दान्।  ग) आषाढ़स्य प्रथमदिवसे मेघमाश्लिष्टसानुम्।	[3×2]
4.	Or,	[1+7]
	"त्वगन्तरिततृतीयलोचनं स्वललाटमाशङ्कन्ते"— Who said this and to whom? Describe the advice of the speaker.	e ⊦1+6]
5.	Translate into English or Bengali <u>any one</u> of the following:  a) नाम्नैव यो निर्भित्रारातिहृदयो विरचितनरसिंहरूपाड़म्बरम् एकविक्रमाक्रान्तसकलभुवनतलो विक्रमत्रयायासितमुवनत्रयं जहासेव वासुदेवम्।  ख) आसीदशेषनरपतिशिर:समभ्यर्चितशासनः पाकशासन इवापरः चतुरुदिधमालामेखलाया भुवो भर्ता प्रतापानुरागावनतसमस्त सामन्तचकः चक्रवर्तिलक्षणोपेतः।	
6.	Explain in Sanskrit with reference to the context ( <u>any one</u> ) of the following :  क) आत्मविडम्बनां चानुजीविना जनेन क्रियमाणामिभनन्दिन्त ।  ख) त्वगन्तरिततृतीयलोचनं स्वललाटमाशङ्कन्ते ।	[7]
7.	বিদ্যান্যাবেদ্যাবিদ্যাবিদ্যাবিদ্যাবিদ্যালয় ব্যাল্য বিশ্বামান্ত্র বিদ্যান্যাগর মেদিনীপুর জেলার বীরসিংহগ্রামে এক দরিদ্র ব্রাহ্মণ পরিবারে জন্মগ্রহণ করেন। বাল্যকাল থেকেই তিনি ছিলেন মেধাবী ও কস্টসহিষ্ণু। তাঁর পিতা শিক্ষাদানের জন্য তাঁকে কলিকাতায় নিয়ে আসেন। অল্প সময়ের মধ্যেই তিনি সাফল্যের সঙ্গে শিক্ষা সমাপ্ত করেন। তাঁর মন ছিল সকল সংস্কার থেকে মুক্ত।  b) মাস্টার মহাশ্যের ছাতাটি দেখিবামাত্র ছুট্মাি অন্তঃপুরে প্রবেশ করিলাম। মা তখন দিদিমার সঙ্গে মুখোমুখি হইয়া প্রদীপালোবে তাস খেলিতেছিলেন। এক পাশে শুইয়া পড়িলাম। মা জিজ্ঞাসা করিলেন - "কি হইয়াছে?" আমি বলিলাম - "আমার অসুই করিয়াছে। আজ আমি পড়িতে যাইব না।"	ন ক
8.	Explain <u>any one</u> of the following Kārikās with examples:  a) संहितैकपदे नित्या भित्या भातूपसर्गयो:।  समासेऽपि च नित्या स्यात् सा चान्यत्र विभाषिता।।	[5]
	b) भूम-निन्दा-प्रशंसासु नित्ययोगेऽतिशायने। संसर्गेऽस्तिविवक्षायां भवन्ति मतुबादय:।।	

9.	a)	''अवसितश्च ममाद्य शापः'' — Who said this and to whom? What was the curse? How was it lifted? [1+:	1+5+3]	
		<u>OR</u>		
	b)	Explain fully —'' दण्डिनः पदलालित्यम्''।		
10.	Tra	anslate into Bengali or English <b>any one</b> of the following extracts: तुमुले चास्मिन् समयेऽनियन्त्रितप्रवेशा: 'किं किम्' इति सहसोपसृत्य विविशुरन्तर्वंशिकपुरुषा:। ददृशुश्च तदवस्थं राजकुमारम्। तदनुभावनिरुद्धनिग्रहेच्छास्तु सद्य एव ते तमर्थं चण्डवर्मणे निवेदयाञ्चकु:।	[4]	
	b)	श्रुत्वा चैतत् तमेव मत्तहस्तिनमुदस्ताधोरणो राजपुत्रोऽधिरुह्य रंहसोत्तमेन राजभवनमभ्यवर्तत। स्तम्बेरमरयावधूतपदातिदत्तवर्त्मा च प्रविश्य वेश्माभ्यन्तरमदभ्राभ्रिनिर्घोषगम्भीरेण स्वरेणाभ्यधात् ''कः स महापुरुषो येनैतन्मानुषमात्रदुष्करं महत्कर्मानुष्ठितम् ?''		
11.	Expa)	plain in Sanskrit with reference to the context ( <u>any one</u> ): अद्यैव क्षपावसाने विवाहनीया राजदुहितेति।	[6]	
	b)	अद्य मे मनिस तमोपहस्त्वया दत्तो ज्ञानप्रदीप:।		
12.	An a) b)	What according to Vāmana is the soul of poetry? How does he define it? How many Rītis have been admitted by him? What according to him are the features of the best one? [1+3+	[10] 3+3] 5+5]	
13.	a)	rite short notes on <u>any one</u> :- ओजोगुण:	[5]	
	b)	चूर्णम्		
	D.	OR		
		plain <u>any one</u> of the following:– न कतकं पङ्कप्रसादनाय।		
		कवित्वबीजं प्रतिभानम्।		
	U)	यम्प्रतिकार्यम्		
14.	Expa)	plain in Sanskrit with reference to the context: सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं	[6]	
		मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्म लक्ष्मीं तनोति।		
		इयमधिकमनोज्ञा वल्कलेनापि तन्वी		
		किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्।।		
	b)	असंशयं क्षत्रपरिग्रहक्षमा		
		यदार्यमस्यामभिलाषि मे मन:।		
		सतां हि सन्देहपदेषु वस्तुषु		
		प्रमाणमन्तः करणप्रवृत्तयः ।।		
<u>OR</u>				
	Am a)	nplify in Sanskrit ( <u>any one</u> ): अथवा भवितव्यानां द्वाराणि भवन्ति सर्वत्र।	[6]	
	b)	लभेत वा प्रार्थियता न वा श्रियं		
		श्रिया दुरापः कथमीप्सितो भवेत्।।		
15.	a)	Translate into Bengali or English ( <u>any one</u> ) of the following: i) मुक्तेषु रश्मिषु <u>निरायतपूर्वकाया</u> निष्कम्पचामरशिखा निभृतोर्ध्वकर्णा:।	[6]	

	आत्मोद्धतैरपि रजोभिरलङ्घनीया
	धावन्त्यमी मृगजवाक्षमयेव रथ्या:।।
ii)	चित्रे <u>निवेश्य</u> परिकल्पितसत्त्वयोगा
	रूपोच्चयेन मनसा विधिना कृता नु।
	स्त्रीरत्रसृष्टिरपरा प्रतिभाति सा मे
	धातुर्विभुत्वमनुचिन्त्य वपुश्च तस्या:।।

<u>OR</u>

b) Answer **any two** of the following:

[3x2]

- i) What are the eight visible forms of Śiva?
- ii) What is the dramatic significance of introducing the elephant in the first act of Abhijñana-śakuntalam?
- iii) What are the merits of hunting narrated by सेनापति?
- iv) Who was Karabhaka? Why did he come to the king Duṣyanta?
- 16. a) Name and expound the samāsa: निरायतपूर्वकाया: in 15(a) (i)

2

b) Derive निवेश्य in 15(a) (ii)

.

## 8O 第03